>

Title: Need to start work on Srinagar Hydroelectric Power Project in Uttarakhand.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): मैं इस सदन का ध्यान श्रीनगर जल विद्युत परियोजना का निर्माण जो मैसर्स अलकनंदा हाइड्रो पावर कंपनी लिमिटेड द्वारा निर्माणाधीन थी कि तरफ दिलाना चाहता हूं। श्रीनगर जलविद्युत परियोजना के निर्माण पर केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने दिनांक 30 जून, 2011 के आदेश से रोक लगा रखी है। परियोजना का निर्माण रुकने से इससे होने वाले लाभ व स्थानीय जनता की भावनाओं को ठेस पहुँची है। लोहारी नागपाला प्रोजेक्ट के निर्माण के समय भी व्यवधान उत्पन्न होने से प्रोजेक्ट की प्रगति पर राज्य में विपरीत प्रभाव पड़ा।

श्रीनगर परियोजना पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा 1985 में ही क्लियर कर दी गई थी और इस बात कों सब अच्छी तरह जानते थे कि धारी देवी मंदिर किसी दूसरे स्थान पर पुर्नस्थापित कर दिया जाएगा। इस प्रकार टिहरी डैम के निर्माण के समय में बहुत से मंदिर डूब गए थे और उनकी पुर्नस्थापना भी नहीं हुई परन्तु यहां तो धारी देवी मंदिर के पुर्नस्थापन के लिए कंपनी भी तैयार है, और पहले भी कई मंदिरों को इस प्रकार का पुर्नस्थापन हो चुका है। उत्तराखंड राज्य जो कि जल विद्युत की अपार संभावना रखता है, जोकि भविष्य में ऊर्जा के लिए अत्यंत आवश्यक भी है, ऐसे में इस प्रकार परियोजनाओं को रोका जाना राज्य के साथ-साथ राष्ट्र विकास को भी प्रभावित करता है।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण के लिए शीघ्र आदेश जारी करवाएं जिससे कई गुणा अधिक ऊर्जा का उत्पादन होगा और उत्तराखंड के साथ-साथ संपूर्ण राष्ट्र को इसका लाभ प्राप्त होगा तथा इन परियोजनाओं के निर्माण से स्थानीय हजारों लोगों को रोजगार प्राप्त होगा जिससे उनका जीवनस्तर भी ऊंचा उठेगा।